



जब गुण को परखने वाला ग्राहक मिल जाता है तो गुण की कीमत होती है। पर जब ऐसा ग्राहक नहीं मिलता, तब गुण कौड़ी के भाव चला जाता है।

-कबीर दास

मूल्य
₹ 3/-

जिद...सच की

● वर्ष: 12 ● अंक 255 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 24 अक्टूबर, 2026

पहले वनडे में भारत ने जिम्बाब्वे को... 7 कर्नाटक में फिर शुरू हुआ सियासी... 3 गठबंधन का मुख्य लक्ष्य भाजपा को... 2

आईटीबीपी के डीजी शत्रुजीत कपूर ने नरवणे के आरोपों पर लगा दी मोहर

सीमा पर चीन से आमना-सामना तो फिर दिल्ली में चुप्पी क्यों?

» गलवान से असफिला तक चीन सीमा पर क्या-क्या बदला देश को कितना बताया गया?

» नरवणे के संस्मरण से लेकर आईटीबीपी डीजी के खुलासे तक चीन सीमा पर सरकार की रणनीति फिर सवालों के घेरे में!

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। गलवान में 20 भारतीय सैनिकों की शहादत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को भरोसा दिलाया था कि जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। लेकिन छह साल बाद अरुणाचल प्रदेश के असफिला-ताकसिंग क्षेत्र से आ रही खबरें एक नया सवाल खड़ा कर रही हैं। अगर सीमा पर सब कुछ सामान्य है तो भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच आमने सामने की स्थिति अब भी क्यों बनी हुई है।

यह सवाल किसी विपक्षी नेता की प्रेस कॉन्फ्रेंस से नहीं बल्कि आईटीबीपी के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के बयान के बाद उठा है। अलवर में आईटीबीपी के जवानों को संबोधित करते हुए कपूर ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर चीनी सैनिकों के साथ फेसऑफ की स्थिति बनी हुई है। इस पूरे एपीसोड के बाद देश में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है और कांग्रेस हमलावर है। देश की अन्य राजनीतिक पार्टियां भी सरकार से सवाल कर रही हैं। गौरतलब है कि इसी विषय पर देश में कंट्रोवर्सी उस समय चरम पर थी पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे की लिखी पुस्तक को सार्वजनिक मंच पर आने से रोका गया था। एक बार फिर चीन को लेकर देश की राजनीतिक माहौल गर्म हो चुका है। राष्ट्रीय सुरक्षा पर सवाल उठाना सैनिकों के शौर्य पर सवाल उठाना नहीं है। उलटे सीमाओं पर डटे जवानों के सम्मान का तकाजा है कि देश को वास्तविक स्थिति के बारे में स्पष्ट और तथ्यपरक जानकारी मिले। सरकार को जवाब देना होगा कि असफिला में क्या हुआ क्या बदला और आगे की रणनीति क्या है।

अब दिल्ली को स्पष्ट करना होगा कि असफिला में आगे क्या?

आईटीबीपी के डीजी का बयान इतना जरूर बताता है कि अरुणाचल में सीमा पर आमने सामने की स्थिति बनी हुई है और उसका

समाधान अभी सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं हुआ है। सरकार को इस स्थिति पर देश को भरोसे में लेना चाहिए। सीमा पर तनाव की

प्रकृति सैन्य वार्ताओं की प्रगति और गश्ती गतिविधियों पर संभावित असर के बारे में यथासंभव स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए।

साथ ही आधुनिक उपकरणों और विशेष प्रशिक्षण की जरूरतों पर भी समयबद्ध कार्रवाई होनी चाहिए।

“अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर चीनी सैनिकों के साथ फेसऑफ की स्थिति बनी हुई है।

डीजी शत्रुजीत कपूर

असफिला में आमने-सामने सैनिक, आखिर मामला क्या है?

अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबानसिरी जिले में असफिला-ताकसिंग क्षेत्र लंबे समय से संवेदनशील सीमा क्षेत्र माना जाता है। हालिया रिपोर्टों के मुताबिक जुलाई के अंतिम दिनों में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच गश्त के दौरान आमना सामना हुआ। इसके बाद चीनी सैनिकों की गतिविधियों और क्षेत्र में तंबू लगाए जाने की खबरों के बीच भारत ने भी अपने सैनिकों की गश्त और तैनाती को बढ़ा दिया। अब एक बार फिर आईटीबीपी प्रमुख ने कहा है कि अरुणाचल में कई स्थानों पर फेसऑफ की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि शौर्य कमांडो टीमों ने इन परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि उन्होंने सार्वजनिक बयान में हर स्थान, घटना की अवधि या सैन्य तैनाती का विस्तृत ब्योरा नहीं दिया। यही वह जानकारी है जिसे लेकर सरकार से स्पष्टता मांगी जा रही है। कितने स्थानों पर गतिरोध है? क्या दोनों पक्षों की गश्त प्रभावित हुई है? स्थानीय कमांडरों के बीच बातचीत से कितना समाधान निकला? और क्या मौजूदा तैनाती से पहले जैसी स्थिति बहाल हो पाई है। इन सवालों का जवाब सैन्य गोपनीयता का उल्लंघन किए बिना भी दिया जा सकता है।

डीजी का बयान सरकार के पास जवाब क्या है?

शत्रुजीत कपूर का बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सीमा की सुरक्षा में तैनात बल के शीर्ष अधिकारी की ओर से आया है। उन्होंने केवल तनाव की बात नहीं की बल्कि शौर्य कमांडो टीमों के प्रदर्शन और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लड़ने की क्षमता मजबूत करने पर भी जोर दिया। आईटीबीपी चीन से लगी लगभग 3,488 किलोमीटर लंबी एलएसी की

सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कपूर ने बताया कि बल को आधुनिक युद्ध की बदलती जरूरतों के मुताबिक तैयार करना होगा। उन्होंने ड्रोन, एंटी-ड्रोन प्रणाली, विशेष प्रशिक्षण और आधुनिक उपकरणों की जरूरत पर भी बल दिया। यह बयान दो स्तरों पर महत्वपूर्ण है। पहला, सीमा पर वास्तविक परिस्थितियां कितनी चुनौतीपूर्ण हैं।

दूसरा उन परिस्थितियों से निपटने के लिए सुरक्षा बलों को किस तरह की तैयारी चाहिए। चीन ने पिछले वर्षों में अपनी सेना सीमा अवसंरचना और निगरानी क्षमता का विस्तार किया है। ऐसे में भारत को भी आधुनिक तकनीक बेहतर संचार निगरानी उपकरण और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण पर ध्यान देना होगा।

आदेश किसने दिए थे, जिम्मेदारी किसकी थी?

पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे के संस्मरण को लेकर फरवरी 2026 में संसद में तीखी बहस हुई। राहुल गांधी ने अप्रकाशित संस्मरण के विवरणों का

हवाला देते हुए आरोप लगाया था कि 2020 के चीन संकट के दौरान सैन्य नेतृत्व को राजनीतिक निर्देशों का इंतजार करना पड़ा। विवाद का केंद्र वह जवाब बना

जिसे राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की ओर से सेना प्रमुख को दिया गया निर्देश बताया जो उचित समझो, वो करो। इस प्रकरण ने एक बड़ा राजनीतिक प्रश्न खड़ा किया जब

सीमा पर गंभीर सैन्य संकट पैदा होता है तो राजनीतिक नेतृत्व और सैन्य कमान के बीच निर्णय लेने की प्रक्रिया कैसी होनी चाहिए।

गठबंधन का मुख्य लक्ष्य भाजपा को हराना : अखिलेश यादव

» सीट शेयरिंग के बीच सपा प्रमुख का बड़ा बयान

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की सरगमियां अभी से तेज होने लगी हैं। सूबे की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी को मात देने के लिए चुनावी बिसात बिछाई जाने लगी है। इस बीच इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक- अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर खींचतान काफी बढ़ गई है।

ताजा घटनाक्रम के मुताबिक, समाजवादी पार्टी पिछले चुनाव के प्रदर्शन और जमीनी गणित का हवाला देते हुए कांग्रेस को 100 से कम सीटें देने के पक्ष में है। पार्टी कांग्रेस को 60 से 70 सीटें देने पर विचार कर रही है, हालांकि इस फॉर्मूले की आधिकारिक तौर पर पुष्टि होना अभी बाकी है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि गठबंधन का मुख्य लक्ष्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराना है, जो 2017 से उत्तर प्रदेश की सत्ता में हैं। उन्होंने कहा कि सपा-कांग्रेस गठबंधन प्रभावी ढंग से आगे बढ़ेगा। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडिया



सीट बंटवारे में बराबर की हिस्सेदारी : कांग्रेस

कांग्रेस सीट बंटवारे में बराबर की हिस्सेदारी चाहती है और उसने 200 से अधिक विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग की है। 2024 के लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में मिली 6 सीटों के प्रदर्शन का हवाला देते हुए, कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनावों में राज्य में ज्यादा सीटें पाने का दावा कर रही है। कांग्रेस उन सीटों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जहां विधानसभा क्षेत्रों के स्तर पर उसका प्रदर्शन बेहतर रहा था। हालांकि, समाजवादी पार्टी सीटों का बड़ा हिस्सा अपने पास रखना चाहती है। स्रोतों के अनुसार, पार्टी कांग्रेस को 60 से 70 सीटें देने पर विचार कर रही है। हालांकि, इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को इस बारे में बता दिया है या नहीं।

15 नवंबर तक सीट बंटवारे पर बातचीत पूरी हो जाएगी

दूसरी ओर, कांग्रेस को उम्मीद है कि 15 नवंबर तक सीट बंटवारे पर बातचीत पूरी हो जाएगी, ताकि वह उम्मीदवार को अपनी सीट पर तैयारी करने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। कांग्रेस की ओर से, पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा सीट बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप देने में सबसे आगे है और वह राज्य के नेताओं के लगातार संपर्क में है।

चुनाव आयोग धांधली के सबूतों पर लें संज्ञान

समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को भारत निर्वाचन आयोग (सीईसी) से आग्रह किया कि वह उनकी पार्टी द्वारा जुटाई गई उन हजारों शपथ-पत्रों की जांच करे, जो कथित चुनावी गड़बड़ियों और अनियमितताओं से संबंधित हैं। X पर एक पोस्ट में, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने हाल के घटनाक्रमों को एक अच्छी शुरुआत बताया और चुनाव आयोग

से आग्रह किया कि वह पार्टी द्वारा जुटाए गए सबूतों पर कार्रवाई करे। यादव ने कहा कि खैर, यह एक अच्छी शुरुआत है - अब शायद चुनाव आयोग भी उन हजारों हलफनामों पर संज्ञान लेगा, जिन्हें हमने चुनावी गड़बड़ियों और घोटालों के संबंध में इकट्ठा किया है। समाजवादी पार्टी ने लगातार चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर चिंता जताई है। हाल के चुनावों में

पार्टी ने अवसर मतदाताओं को रोकने, प्रशासन के पक्षपाती रवैये और मतदान के दौरान गड़बड़ियों के आरोप लगाए हैं। पार्टी नेतृत्व का दावा है कि उन्होंने अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों के प्रभावित मतदाताओं और पोलिंग एजेंटों से हस्ताक्षरित हलफनामे लेकर इन कथित अनियमितताओं का दस्तावेजीकरण किया है। इससे पहले, 23 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख

अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर एमएलसी (स्नातक और शिथिल निर्वाचन क्षेत्र) चुनावों में चुनावी गड़बड़ियां करने का आरोप लगाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन और भ्रष्ट अधिकारी मिलकर मतदाताओं को वोट डालने से रोकने का काम कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने दावा किया कि इन कथित अनियमितताओं के बावजूद सत्ताधारी पार्टी चुनाव हार जाएगी।

गठबंधन को मजबूत किया जाना चाहिए। हमारा साझा लक्ष्य भाजपा को सत्ता से

हटाना है। भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए हम लोगों को समझाएं, और हम

ऐसा जरूर करेंगे। भाजपा को हराने के लिए यह गठबंधन प्रभावी ढंग से आगे बढ़ेगा।

भाजपा अफवाह और नफरत फैलाती है : प्रिया सरोज

» राजकुमार भाटी विवाद पर सपा सांसद का बयान

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 11 एमएलसी सीटों पर चुनाव के बीच समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज ने सपा की जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी युवाओं, रोजगार और सामाजिक न्याय की बात करती है इसलिए इस चुनाव में सपा की ही जीत होगी। वहीं हिन्दू देवी-देवताओं को लेकर सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी के दिए बयान पर भी उन्होंने जवाब दिया है। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने ब्रह्मा, विष्णु और महेश को भगवान न मानने और उनकी पूजा नहीं करने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि बीजेपी पर ही निशाना साधा। भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है। भाजपा अफवाह और नफरत फैलाती है उन्होंने पत्रकार से बेहतर मुद्दों पर सवाल पूछने की बात भी कही। एमएलसी चुनाव में शिक्षक, स्नातक और युवाओं के प्रतिनिधित्व से जुड़े मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी युवाओं, रोजगार और सामाजिक न्याय की बात करती है, उन्हें भरोसा है कि पार्टी के प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्रों से जीतकर आएंगे।



2027 में यूपी विस चुनाव जीतकर इंडिया गठबंधन बनाएगा सरकार : आराधना मिश्रा

» कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई की नवनियुक्त अध्यक्ष को भरोसा

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई की नवनियुक्त अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने कहा है कि उनका लक्ष्य 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्वेलूसिव अलायंस' (इंडिया) को मजबूत कर 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश में गठबंधन की सरकार बनाना है। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई की 52 वर्षीय अध्यक्ष मोना ने कहा, मेरा एक प्रमुख लक्ष्य 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत करते हुए 2027 के चुनाव में उत्तर प्रदेश में सरकार बनाना है।

यह पूछे जाने पर कि उत्तर प्रदेश में 'इंडिया' गठबंधन में समाजवादी पार्टी



(सपा) की मुख्य भूमिका है और सरकार बनने पर क्या कांग्रेस उसमें शामिल होगी, उन्होंने कहा, गठबंधन की सरकार बनेगी और उसमें सभी घटक शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश के एक प्रमुख कांग्रेसी परिवार की चौथी पीढ़ी से आने वाली मोना का परिवार हमेशा पार्टी की विचारधारा से जुड़ा रहा है। उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत पंच (ग्राम सभा सदस्य) के रूप में हुई। इसके बाद कॉलेज की पढ़ाई पूरी

करते ही 1999 में वह संग्रामगढ़ सहकारी संघ की अध्यक्ष बन गई और फिर क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं तीन बार ब्लॉक प्रमुख रहें। वह 2014 के उपचुनाव में प्रतापगढ़ जिले की रामपुर खास सीट से पहली बार कांग्रेस की विधायक चुनी गई और फिर 2017 और 2022 में भी विधानसभा पहुंचीं। कांग्रेस ने उन्हें दो बार कांग्रेस विधानमंडल दल का नेता भी बनाया। इससे पहले रामपुर खास सीट से उनके पिता प्रमोद तिवारी 1980 से 2014 तक लगातार नौ बार विधायक रहे। प्रदेश सरकार में मंत्री और कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता रह चुके प्रमोद तिवारी वर्तमान में राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता हैं। प्रमोद तिवारी के पिता और दादा भी कांग्रेस में सक्रिय रहे।

चंपत राय की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई : संजय सिंह

» आप सांसद का भाजपा पर वार, बोले- राम मंदिर के नाम पर हुआ बड़ा खेल

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राम मंदिर निर्माण और भगवान श्रीराम के नाम पर चढ़ावे में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि चंपत राय और अनिल मिश्रा जैसे कथित आरोपियों की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई।

मामले में कार्रवाई के बजाय लीपापोती की जा रही है। शनिवार को अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे संजय सिंह का प्रदेश अध्यक्ष रहे सभाजीत सिंह और पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। यहां



उन्होंने राम मंदिर निर्माण, जमीन और आभूषणों से जुड़े मामलों में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची में भी गड़बड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि बिना जानकारी के 13 लाख नाम जोड़ दिए गए। साथ ही ऑटो-जेनरेटेड फॉर्म-7 के जरिये 85,854 मतदाताओं के नाम काटे जाने का आरोप लगाया। इनमें 90 प्रतिशत नाम अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के थे।



जनता मालिक और भगवान है : अनंत सिंह

» बोले- दोनों उम्मीदवारों को मिले करीब 30 प्रतिशत वोट, पार्टी कार्रवाई करेगी तो भी चिंता नहीं

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मोकामा। बिहार चुनाव के नतीजों से पहले ही मोकामा से प्रत्याशी अनंत सिंह के आवास पर आतिशबाजी शुरू हो गई। अनंत सिंह ने अपनी जीत का दावा करते हुए कहा कि जनता ही मालिक और भगवान है। उन्हें भरोसा है कि जनता ने उन्हें वोट दिया है और वह चुनाव जीत रहे हैं।

इस दौरान उन्होंने अपने समर्थकों पर पुलिस की कार्रवाई, प्रतिद्वंद्वी नीरज कुमार को मंदिर में पूजा-अर्चना, केंद्रीय मंत्री



ललन सिंह और अपने खिलाफ कथित गलत प्रचार से जुड़े सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी। चुनाव के बाद पार्टी उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करती है, तो उन्हें इसकी चिंता नहीं है। अनंत सिंह ने कहा कि उन्हें अलग-अलग जगहों से चुनाव को लेकर जानकारी मिली है। उनके मुताबिक, दोनों उम्मीदवारों को करीब 30-30 प्रतिशत वोट मिले हैं। उन्होंने अपनी जीत का भरोसा जताते हुए कहा

नीरज कुमार के मंदिर जाने पर कसा तंज

नीरज कुमार के मंदिर में पूजा-अर्चना करने के सवाल पर अनंत सिंह ने कहा कि वह जनता को भगवान मानते हैं, जबकि नीरज कुमार भगवान को मानते हैं, इसलिए वह मंदिर गए होंगे। उन्होंने नीरज कुमार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि इस बार उनका राजनीतिक किला ढह चुका है। अनंत सिंह ने कहा कि नीरज कुमार पहले भी अपने दम पर राजनीति नहीं करते थे, बल्कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पर राजनीति करते रहे हैं। उन्होंने इस बयान के जरिए अपने प्रतिद्वंद्वी पर राजनीतिक रूप से निर्भर रहने का आरोप लगाया।

कि जनता ने उन्हें वोट दिया है और जनता ही उनके लिए सबसे बड़ी है।

कर्नाटक में फिर शुरू हुआ सियासी नाटक

25 विधायक पाला बदलने को तैयार, सीएम शिवकुमार ने किया पलटवार

- » बीजेपी के दावे के बाद मचा घमासान
- » सूखे को लेकर केंद्र सरकार से मांगेंगे मदद
- » राज्यसभा चुनावों में क्रॉस-वोटिंग को लेकर सार
- » कांग्रेस ने बीजेपी और जेडीएस पर भी तंज कसा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक में एकबार फिर एक बयान से राज्य में सियासी घमासान मच गया है। कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने दावा किया कि अगर अभी चुनाव हुए तो मंत्रियों समेत 25 कांग्रेस विधायक बीजेपी में शामिल हो जाएंगे। इस पर डीके शिवकुमार ने तंज कसते हुए कहा कि विजयेंद्र बिना समय गंवाए उन्हें तुरंत पार्टी में शामिल कर लें। शिवकुमार ने राज्यसभा चुनाव में बीजेपी और जेडीएस नेताओं द्वारा की गई क्रॉस वोटिंग की भी याद दिलाई।

वहीं सीएम कर्नाटक के 200 से अधिक तालुकों में सूखे और 20,000 मेगावाट बिजली की बढ़ती मांग के बीच डी.के. शिवकुमार ने केंद्र से राहत फंड की मांग की है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की मदद करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कर्तव्य है और वह जल्द ही दिल्ली में पीएम से मुलाकात करेंगे। वहीं सीएम डीके शिवकुमार ने भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मिलने से इनकार करने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों के अधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा के लिए यह मुलाकात जरूरी थी। वहीं, बीजेपी प्रवक्ता सीआर केसवन ने राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं और न्यायपालिका का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।



राज्यसभा चुनावों में क्रॉस-वोटिंग मूल गार : शिवकुमार

सीएम ने उस दावे का मजाक उड़ाते हुए कहा कि पहले उनसे कहिए कि वे उन्हें अपनी पार्टी में शामिल करें। उन्हें इसमें देरी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने राज्यसभा चुनावों में क्रॉस-वोटिंग को लेकर बीजेपी और जेडीएस पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी और विजयेंद्र, दोनों ही यह नहीं बता पाए कि किसने क्रॉस-वोटिंग की। उनके नेताओं ने कांग्रेस के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग की। उन्हें और क्या चाहिए? उन्हें (विजयेंद्र को) समय बर्बाद नहीं करना चाहिए और नेताओं को पार्टी में शामिल कर लेना चाहिए।

स्टिंग ऑपरेशन पर बोले नेता- कर्नाटक की राजनीति कभी इतने निचले स्तर पर नहीं गिरी

कथित स्टिंग ऑपरेशन के दावों से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए विजयेंद्र ने कहा कि कर्नाटक की राजनीति कभी इतने निचले स्तर पर नहीं गिरी थी और आरोप लगाया कि राज्य में हाल की घटनाओं से राजनेताओं के प्रति जनता का सम्मान कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी खबरें आई हैं कि कुछ कांग्रेस नेताओं ने राजनीतिक

सत्ता हासिल करने के लिए ऐसे ब्यक्तियों को अपनाना है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में सब कुछ सामने आ जाएगा। यह राजनीतिक अनैतिकता है। जो लोग ऐसी गलत गतिविधियों में शामिल रहे हैं, उन्हें इसके नतीजे भुगतने होंगे। यह मामला पिछले हफ्ते तब सामने आया जब शिवकुमार ने कथित तौर पर अपने कैबिनेट

सहयोगियों को आगाह किया कि उन्हें स्टिंग ऑपरेशन के जरिए फंशाने की कोशिशें हो रही हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें अच्छी तरह पता है कि उनके और उनके मंत्री सहयोगियों के खिलाफ स्टिंग ऑपरेशन करने की कोशिशों के पीछे कौन है, और उनके खिलाफ साजिश रचने के लिए प्राइवेट एजेंटों को कौन पैसे दे रहा है।

चुनाव की घोषणा हो जाए तो कांग्रेस के 25 विधायक बीजेपी में शामिल हो जाएंगे : विजयेंद्र

विजयेंद्र ने दावा किया कि अगर अभी चुनाव हों, तो कैबिनेट मंत्रियों समेत कांग्रेस के 25 विधायक बीजेपी में शामिल हो जाएंगे। इस बयान पर मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने तीखी प्रतिक्रिया दी और राज्य बीजेपी प्रमुख से कहा कि वे बिना समय बर्बाद किए इन नेताओं को पार्टी में शामिल कर लें। जब उनसे पूछा गया कि क्या बीजेपी सत्ताधारी पार्टी के मंत्रियों को अपनी पार्टी में लाने की कोशिश कर रही है, तो विजयेंद्र ने कहा कि राज्य का माहौल बीजेपी के पक्ष में हो गया है और कांग्रेस के कई नेता पाला बदलने को तैयार हैं। विजयेंद्र ने पत्रकारों से कहा कि हमें ऐसा करने (नेताओं को तोड़ने) की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन पार्टी के राज्य अध्यक्ष के तौर पर मैं एक बात साफ-साफ कहूंगा अगर कल भी चुनाव की घोषणा हो जाए, तो डी.के. शिवकुमार की कैबिनेट के मंत्रियों समेत 25 विधायक बीजेपी में शामिल हो जाएंगे। ऐसा माहौल पहले ही बन चुका है। बीजेपी नेता के दावे को हल्के में लेते हुए शिवकुमार ने कहा कि उन्हें बिना किसी देरी के उन नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कर लेना चाहिए।

राहुल गांधी के साथ मजबूती से खड़े सीएम डीके शिवकुमार

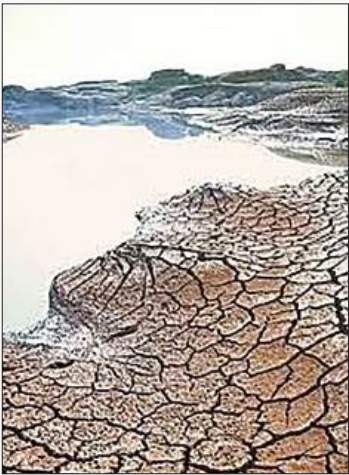
कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) द्वारा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मिलने से इनकार करने की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों की आवाज सुनी जानी चाहिए और विपक्ष के साथ बातचीत न करने के लिए राजनीतिक व्यवस्था को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। 12 अक्टूबर को बोलते हुए, शिवकुमार ने इन प्रयासों को नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए एक बुनियादी संघर्ष

बताया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में, हम इस देश के लोकतंत्र और हर नागरिक के वोट देने के अधिकार को बचाने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं। वोट देने का अधिकार जीने का अधिकार है, और यह हमारी जिंदगी है। इसलिए, यह सब चल रहा है, यह देश की आवाज है, विपक्ष के नेता की आवाज है। लोकतंत्र में कुछ भी संभव है। उन्होंने आगे कहा कि इस देश के लोगों की आवाज सुनी जानी चाहिए। जब चुनाव आयोग [विपक्ष] से नहीं मिलता है, तो

प्रधानमंत्री को उन्हें बुलाकर पूछना चाहिए कि आपकी समस्या क्या है? शिवकुमार ने बताया कि गठबंधन ने सीजेआई से मिलने का अनुरोध इसलिए किया क्योंकि शिकायतों के समाधान के अन्य सभी तरीके नाकाम रहे थे। उन्होंने कहा, जब कोई और विकल्प नहीं बचा, तो हमें सीजेआई से मिलने का समय मांगना पड़ा। दुर्भाग्य से, क्योंकि इस मुद्दे पर अदालतें बंद हैं, इसलिए अदालतें जनहित से जुड़े इन मामलों में दखल नहीं देना चाहती।

200 से अधिक तालुकों में सूखा

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने घोषणा की कि वह दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का समय मांगेंगे। वे केंद्र सरकार से राज्य को सूखा राहत फंड देने का आग्रह करेंगे, क्योंकि राज्य के 200 से ज्यादा तालुकों में सूखे जैसे हालात हैं। शिवकुमार ने कहा कि निश्चित रूप से, कर्नाटक की मदद करना माननीय प्रधानमंत्री का कर्तव्य है। यहाँ 200 से ज्यादा तालुक प्रभावित हैं। कई तरह की समस्याएँ पैदा हो गई हैं। लोगों की फसलें बर्बाद हो गई हैं और पानी व बिजली की भी समस्याएँ हैं। मुख्यमंत्री ने कर्नाटक में बिजली की गंभीर स्थिति का जिक्र किया, जहाँ बिजली की माँग लगभग 20,000 मेगावाट तक पहुँच गई है, जिससे लोगों को अपनी बिजली की जरूरतें पूरी करने में मुश्किल हो रही है। उन्होंने कहा कि हर कोई परेशान है। हम स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ राज्यों में बिजली 20 से 22 प्रति यूनिट के हिसाब से खरीदी जा रही है। बिजली उपलब्ध नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने ऊर्जा विभाग को स्थिति पर बारीकी से



नजर रखने और उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि मैंने अपने ऊर्जा विभाग से इस मामले को देखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा है। शिवकुमार ने यह भी कहा कि उन्होंने चीनी मिल मालिकों से बात की है और बिजली

संकट से निपटने में उनसे सहयोग करने को कहा है। उन्होंने बताया कि मैंने कुछ किसानों और चीनी मिलों को भी बुलाया है ताकि यह देखा जा सके कि क्या किया जा सकता है और कुछ पाबंदियाँ लगाई जा सकें। वे बिजली बेच नहीं सकते; उन्हें यह सरकार को देनी होगी। थर्मल पावर बनाने के लिए जरूरी कोयले की उपलब्धता पर चिंता जताते हुए, उन्होंने कोयले के स्टॉक को लेकर सतर्क रहने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जहाँ भी थर्मल पावर प्लांट हैं, हमें वहाँ कोयले के स्टॉक पर नजर रखनी होगी। हमें इस मामले में बहुत सावधान रहना होगा। यह सिर्फ हमारे राज्य की बात नहीं है; मैं दूसरे राज्यों के हालात पर भी नजर रख रहा हूँ। ऊर्जा मंत्री के तौर पर अपनी पिछली भूमिका का जिक्र करते हुए, शिवकुमार ने कहा कि वह अब भी रोजाना देश भर में बिजली की उपलब्धता पर नजर रखते हैं। उन्होंने कहा कि जब से मैं ऊर्जा मंत्री था, तब से मैं रोजाना नजर रख रहा हूँ कि कहाँ और कितनी बिजली उपलब्ध है।

बोले बीजेपी प्रवक्ता सी आर केसवन

संवैधानिक संस्थाओं का राजनीतिकरण किया जा रहा

बीजेपी प्रवक्ता सी आर केसवन ने राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का बार-बार हमारी संवैधानिक संस्थाओं - और इस बार हमारी न्यायपालिका - का राजनीतिकरण करने का अराजक प्रयास, हमारी राष्ट्रीय एकता को कमजोर करने की एक खतरनाक साजिश के अलावा और कुछ नहीं है। लगातार कई राजनीतिक और चुनावी हार के बाद, राहुल गांधी सचमुच अस्थिर और मानसिक रूप से असंतुलित हो गए हैं। और इसी हताशा में, राहुल गांधी अपने विफल राजनीतिक करियर को बचाने के लिए हमारी संवैधानिक संस्थाओं को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी हमारे



लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने, कमजोर करने और अस्थिर करने की कोशिश करके हमारे देश और हमारे संविधान के प्रति विश्वासघात कर रहे हैं, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने और उनमें जनता का अविश्वास पैदा करने की राहुल गांधी की कोशिश सफल नहीं होगी। यह बुरी तरह विफल होगी क्योंकि भारत की समझदार जनता राहुल गांधी की खतरनाक और बांटने वाली राजनीति को खारिज कर देगी।

मानसिक और शारीरिक समस्याओं से रहना है दूर



बैठकर किया जाने वाला एक अत्यधिक शक्तिशाली और पारंपरिक योगासन है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से ध्यान और प्राणायाम के लिए किया जाता है। पद्मा का अर्थ कमल होता है, इस मुद्रा में शरीर की स्थिति कमल के समान दिखाई देती है, जो मन को स्थिरता और शांति प्रदान करती है। पद्मासन घुटनों और कूल्हों के जोड़ों को लचीला बनाता है। घुटनों और टखनों में खिंचाव लाकर मजबूत करता है। रीढ़, पेट और मूत्राशय को उत्तेजित करता है। साथ ही मन को शांत रखने और पाचन क्रिया बेहतर बनाने में भी सहायक है। महिलाएं भी पद्मासन का अभ्यास कर सकती हैं। मासिक धर्म, साइटिका में होने वाली तकलीफ से राहत दिलाने के साथ ही गर्भावस्था में इस मुद्रा को करने से प्रसव आसान होता है। इसे करने के लिए

पद्मासन

जमीन पर चटाई बिछाकर पैरों को सामने फैलाकर सीधे बैठ जाएं। अपने बाएं पैर को घुटने से मोड़ें और दोनों हाथों की मदद से इसे दाईं जांघ के मूल पर इस प्रकार रखें कि एड़ी नाभि के पास हो। अब इसी तरह अपने दाएं पैर को मोड़ें और इसे बाईं जांघ के ऊपर रखें। दोनों पैरों के तलवे ऊपर की ओर होने चाहिए।

अधोमुख श्वानासन



गोमुखासन

एक महत्वपूर्ण योगासन है, जिसमें शरीर की आकृति गाय के मुख जैसी प्रतीत होती है। इस योगासन के अभ्यास से साइटिका की परेशानी ठीक होती है। गोमुखासन हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में सहायक है। यह योग कंधों की जकड़न, रीढ़ को लंबा करने, तनाव व चिंता कम करने और पीठ की मसल्स को मजबूत करने में मदद करता है। मधुमेह और पीठ दर्द में अत्यंत लाभकारी है। तनाव और चिंता को कम करने में मदद करता है।

अधोमुख श्वानासन को भारतीय योग में बड़ा उच्च स्थान दिया गया है। ये अष्टांग योग का बेहद महत्वपूर्ण अंग है और सूर्य नमस्कार के सात आसनों में से एक है। ये आसन बिल्कुल वैसा है जैसे कुत्ते अपनी थकान मिटाने के लिए खुद को स्ट्रेच करते हैं। इसीलिए अधोमुख श्वानासन को डाउनवर्ड फेंसिंग डॉग पोज भी कहते हैं। अधोमुख श्वानासन के अभ्यास से शरीर को जबरदस्त फायदे होते हैं। 40 के बाद पुरुषों को इस योग का अभ्यास नियमित तौर पर करना चाहिए। इस योग से पेट की निचली मांसपेशियां मजबूत होती हैं। पाचन में सुधार, रक्त संचार में वृद्धि और एंजाइटी पर काबू पाया जा सकता है। अधोमुख श्वानासन करने से बालों की ग्रोथ तेजी से होते हैं और बाल मोटे और घने होते हैं। यह आसन बालों को झड़ने से रोकता है। अधोमुख श्वानासन करने से सिर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। ये मस्तिष्क, आंखों और सिर के अन्य हिस्सों के कार्यों के लिए भी बेहतर है। यह ब्लडप्रेशर और अन्य रोगों से राहत दिलाने में कारगर है। इसके अलावा अस्थमा और पेट की अपच समेत कई समस्याओं के निदान के लिए अधोमुख श्वानासन कर सकते हैं।

40 की उम्र के बाद नियमित करें ये योगासन

कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उम्र के साथ होने लगती हैं। 40 वर्ष की उम्र के बाद शरीर कमजोर होने लगता है। ऐसे में बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बढ़ती उम्र में मांसपेशियों में दर्द, हड्डियों की समस्या, त्वचा पर झुर्रियां और झाइयां आ जाती हैं। महिलाओं की तरह पुरुषों को भी स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन जीवनशैली, खानपान और एक्सरसाइज की आदत को अपनाकर लंबी उम्र तक स्वस्थ रह सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, योग कई तरह की शारीरिक समस्याओं और मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। योगाभ्यास से मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं और बढ़ती उम्र में होने वाले नकारात्मक बदलावों को भी कम कर सकते हैं। इसलिए 40 की उम्र के बाद पुरुषों को नियमित तौर पर करना चाहिए। इन योगासनों के अभ्यास से प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, मांसपेशियों और हड्डियों संबंधित परेशानियां दूर रहती हैं और त्वचा में निरखार बना रहता है।

विपरीतकर्णी

विपरीत करणी योगासन के अभ्यास से पैरों को आराम मिलता है और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। मानसिक और शारीरिक रूप से चिंता मुक्त रखने में भी यह आसन फायदेमंद है। गठिया के मरीजों के लिए इस आसन का नियमित अभ्यास लाभकारी हो सकता है।



हंसना मना है

आदमी: सर, मेरी वाइफ गूम गई है, पोस्टमन: यह पोस्ट ऑफिस है, पुलिस स्टेशन नहीं, आदमी: ओह सॉरी! साला खुशी के मारे कहां जाऊं, कुछ समझ में नहीं आ रहा!

पप्पू साइकिल से जा रहा था। अचानक एक लड़की से भिड़ गया। लड़की — घंटी नहीं मार सकता था, पप्पू — अबे मैंने पूरी साइकिल मार दी, अब क्या घंटी अलग से मारूं।

भिखारी: साहब एक रुपया दे दो। साहब: तुम्हें शरम नहीं आती, रोड पर खड़े होकर भीख मांगते हो, भिखारी: अब तुझसे एक रुपये मांगने के लिए ऑफिस खोलू क्या?

साइकिल चलाकर पैर दुखे तो बाईक ली, बाईक चलाकर पीठ दुखी तो कार लाये, कार चलाकर पेट निकला तो जिम ज्वाइन किया और जिम में वापस साइकिल पर, इसे कहते हैं रिसायक्लिंग।

पत्नी: आप मुझे रानी क्यों बोलते हो? पति: क्योंकि नौकरानी थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है.. पत्नी गुस्से से: तुम्हें पता है कि मैं तुम्हें जान क्यों बोलती हूँ? पति: नहीं.. बताओ तो जरा.. पत्नी: जानवर थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है इसलिए सिर्फ जान बोल देती हूँ।

कहानी

लक्ष्य पर ध्यान

यह उन दिनों की बात है जब स्वामी विवेकानंद अमेरिका में थे। एक दिन वो सैर के लिए निकले और घूमते-घूमते एक पुल के पास पहुंचे। तभी उनकी नजर पुल पर खड़े बच्चों पर गई। सभी बच्चे बंदूक से पुल के नीचे बहती बड़ी-सी नदी में तेर रहे अंडों के छिलकों पर निशाना लगाने की लगातार कोशिश कर रहे थे। कई कोशिशों के बाद भी वो एक बार भी अंडे के छिलके पर सही निशाना नहीं लगा पाए। यह देखकर स्वामी विवेकानंद बड़े हैरान हुए। उनके मन में हुआ कि मुझे भी एक बार कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने बच्चों से बंदूक मांगी और खुद निशाना लगाने लगे। स्वामी ने बंदूक तानी और अंडे के छिलके पर पहली बार में ही निशाना लगा लिया। पहला निशाना सही लगने के बाद उन्होंने एक के बाद एक कई सारे अंडे के छिलकों पर सही निशाना लगाया। स्वामी के निशाने की कला को देखकर बच्चे हैरान रह गए। बच्चों ने स्वामी से पूछा कि आखिर वो कैसे एक के बाद एक सही निशाना लगा रहे हैं। आगे बच्चों ने कहा कि वो बहुत देर से उन छिलकों पर निशाना लगाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। हमें भी बताइए सही तरीके से निशाना लगाने के लिए क्या करना चाहिए। स्वामी विवेकानंद ने बच्चों को जवाब देते हुए कहा कि इस दुनिया में ऐसा कोई काम नहीं है, जो किया नहीं जा सकता। दुनिया में कोई भी काम असंभव नहीं है। बस अपना सारा ध्यान उस काम की तरफ लगाओ, जिसे तुम्हें करना है या जिसे तुम कर रहे हो। उन्होंने आगे बताया कि अगर निशाना लगाते वक्त तुम्हारा सारा ध्यान अंडे के छिलके पर होता, तो तुम निशाना ठीक तरीके से लगा पाते।

कहानी से सीख: लक्ष्य को पूरा करने की चाहत रखने वाले को हमेशा पूरा ध्यान उस लक्ष्य पर ही रखना चाहिए। ऐसा करने से लक्ष्य चूकता नहीं है।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

मेघ 	कार्यक्षेत्र में अपनी ऊर्जा का सही इस्तेमाल करें, सफलता मिलेगी। व्यापार में नए सौदे लाभप्रद रहेंगे। मित्रों से पूरा सहयोग प्राप्त होगा। वित्तीय मामलों में स्थिति मजबूत रहेगी।	तुला 	पदोन्नति या नए अधिकार मिल सकते हैं। व्यापार में साझेदारी से फायदा होगा। प्रेम संबंधों में निकटता आएगी। धन आगमन का मार्ग प्रशस्त होगा।
वृषभ 	दफ्तर में शांति और समझदारी से काम लें। व्यापार में निवेश के अवसर मिलेंगे। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बना रहेगा। रुका हुआ धन वापस आने की संभावना है।	वृश्चिक 	विरोधियों पर भारी पड़ेंगे, सफलता मिलेगी। व्यापार में मुनाफे की दर बढ़ेगी। पारिवारिक सहयोग से होसला बढ़ेगा। अचानक धन लाभ होने के योग हैं।
मिथुन 	सहकर्मियों का साथ मिलने से प्रोजेक्ट पूरा होगा। नए व्यावसायिक संपर्कों से फायदा होगा। पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा। आय के नए रास्ते खुल सकते हैं।	धनु 	बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नया निवेश दूरगामी लाभ देगा। सतान पक्ष से खुशी मिलेगी। आय में वृद्धि के संकेत हैं। मानसिक स्फूर्ति बनी रहेगी।
कर्क 	उच्च अधिकारियों का प्रोत्साहन मिलेगा। व्यापारिक यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी। परिवार में सौहार्द और खुशहाली रहेगी। धन संचय करने के प्रयास सफल होंगे।	मकर 	जिम्मेदारी बढ़ सकती है, संयम रखें। कागजी कार्यवाई ध्यान से करें। परिवार में सहयोग बना रहेगा। अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाएं। विश्राम करें, थकान से बचें।
सिंह 	कार्यस्थल पर आपका प्रभाव बढ़ेगा। नए व्यवसाय में लाभ की संभावना है। दांपत्य जीवन में सुख और प्यार रहेगा। आर्थिक लाभ मिलने के योग हैं।	कुम्भ 	बुद्धिमान्नी से काम बनेंगे, तारीफ होगी। नए अनुबंध तय होने की संभावना है। दोस्तों के साथ समय अच्छा बीतेगा। वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। सेहत अच्छी रहेगी, फुर्ती रहेगी।
कन्या 	काम पर ध्यान केंद्रित करें, गलतियों से बचें। लेनदेन में जल्दबाजी न करें। परिजनों के साथ संयम से बात करें। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है।	मीन 	सुझावों की सराहना होगी, पद बढ़ेगा। व्यापार में नए अवसर प्राप्त होंगे। घर में मांगलिक चर्चा हो सकती है। धन लाभ होने के योग हैं। पीपल में जल चढ़ाएं।

मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े और अन्य अधिकारियों को धमकी भरा ईमेल भेजा गया है। इस ईमेल में अभिनेता अमिताभ बच्चन और गायक दिलजीत दोसांझ का भी नाम लिया गया है। एक ओर जहां बिग बी के बंगले को निशाना बनाने की धमकी दी गई है वहीं दूसरी ओर गायक दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में बम धमाका करने की धमकी मिली है। बता दें, दिलजीत का कॉन्सर्ट 27 नवंबर, 2026 को मुंबई में आयोजित होने वाला है। 23 अक्टूबर को सुबह 11:31 बजे भेजे गए ईमेल में मुंबई मेयर कार्यालय में रात 3:11 बजे धमाका करने की धमकी दी गई है। ईमेल में 31 अक्टूबर



अमिताभ का बंगला और दिलजीत का कॉन्सर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, जांच में जुटी एजेंसियां

को मुंबई के एक स्कूल में ग्रेनेड हमले और 27 नवंबर को महालक्ष्मी रेस कोर्स में बम धमाके की धमकी दी गई है। इसके अलावा ईमेल में खालिस्तान समर्थक नारे का उल्लेख किया गया है। धमकी भरे ईमेल की

जांच की जा रही है। डीसीपी मनीष कलवानिया ने बताया कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को एक धमकी भरा ईमेल मिला था। जांच करने पर कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। इसके अलावा, दादर के स्कूलों को भी धमकियां दी गई हैं। एक अधिकारी ने बताया कि 20 मार्च को भी कुछ ऐसा ही मामला सामने आया था, जब मुंबई प्रेस क्लब को एक धमकी

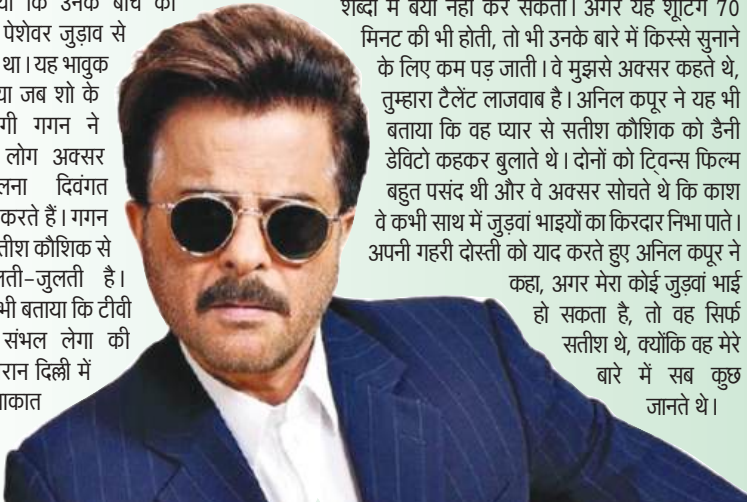
भरा ईमेल मिला। इसमें दावा किया गया था कि इमारत के अंदर जहरीली गैस से भरे कई छोटे बम रखे गए हैं, जो दोपहर 1 बजे फट जाएंगे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह ईमेल नीराजा अजमल खान नाम के किसी व्यक्ति ने भेजा था। भेजने वाले ने दावा किया कि प्रेस क्लब की इमारत के अंदर 42 जहरीली गैस वाले उपकरण लगाए गए हैं।

अगर मेरा कोई जुड़वा भाई बन सकता है तो वह है सतीश

बॉ लीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर अपने शो 'इंडिया के टॉप 1 प्रतिशत' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो के अपकमिंग एपिसोड में अनिल कपूर ने दिवंगत अभिनेता-फिल्म निर्माता सतीश कौशिक के साथ अपनी गहरी दोस्ती को याद किया है। उन्होंने बताया कि उनके बीच का रिश्ता सिर्फ पेशेवर जुड़ाव से कहीं बढ़कर था। यह भावुक पल तब आया जब शो के एक प्रतियोगी गगन ने बताया कि लोग अक्सर उनकी तुलना दिवंगत अभिनेता से करते हैं। गगन की शक्ल सतीश कौशिक से काफी मिलती-जुलती है। गगन ने यह भी बताया कि टीवी शो 'सुमित' संभल लेगा की शूटिंग के दौरान दिल्ली में उनकी मुलाकात सतीश कौशिक से हुई थी।

कौशिक को याद कर भावुक हुए अनिल कपूर

इस बात ने अनिल कपूर को अपने दोस्त से जुड़ी पुरानी यादों में खो जाने पर मजबूर कर दिया। सतीश कौशिक के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए अनिल कपूर ने कहा, उनके साथ मेरा रिश्ता कैसा था, इसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। अगर यह शूटिंग 70 मिनट की भी होती, तो भी उनके बारे में किस्से सुनाने के लिए कम पड़ जाती। वे मुझसे अक्सर कहते थे, तुम्हारा टैलेंट लाजवाब है। अनिल कपूर ने यह भी बताया कि वह प्यार से सतीश कौशिक को 'डैनी डेविटो' कहकर बुलाते थे। दोनों को टिक्न्स फिल्म बहुत पसंद थी और वे अक्सर सोचते थे कि काश वे कभी साथ में जुड़वां भाइयों का किरदार निभा पाते। अपनी गहरी दोस्ती को याद करते हुए अनिल कपूर ने कहा, अगर मेरा कोई जुड़वां भाई हो सकता है, तो वह सिर्फ सतीश थे, क्योंकि वह मेरे बारे में सब कुछ जानते थे।



दर्शकों की पसंद के हिसाब से चलने लगे कलाकार : अभिजीत

'इंडियन आइडल' ने अभिजीत सावंत को घर-घर में पहचान दिलाई। करीब 22 साल बाद वह एक बार फिर उसी मंच पर लौटे हैं। इस दौरान संगीत की दुनिया काफी बदल गई है। दर्शकों का कलाकारों से जुड़ने का तरीका भी बदल गया है। सोशल मीडिया ने नए सिंगर्स को आगे बढ़ने का मौका दिया है। लेकिन इसके साथ ही कलाकारों पर दर्शकों की पसंद के हिसाब से काम करने का दबाव भी बढ़ा है। अभिजीत सावंत भी आज की म्यूजिक इंडस्ट्री में यह बदलाव महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि करीब 22 साल पहले मेरी और इंडियन आइडल की जर्नी एक साथ शुरू हुई थी। हमने अपना सफर साथ शुरू किया था। इस मंच ने मुझे बहुत कुछ दिया है। आज मेरी जो पहचान है, उसमें इस शो का बड़ा हाथ है। इसलिए इस मंच के प्रति मेरी भी जिम्मेदारी है। यहां बहुत सारी यादें बनी थीं। अब उन्हें दोबारा जीने का मौका मिल रहा है। आज दर्शक सीधे कलाकारों से बात करते हैं। कमेंट करते हैं, ताने मारते हैं और कई बार निजी बातों को लेकर भी आलोचना करने लगते हैं। इस बदलाव का अच्छा पहलू भी है। कलाकार सीधे अपने दर्शकों से जुड़ सकते हैं। लोग उनके काम पर अपनी राय दे सकते हैं। लेकिन इसका दबाव भी है। हर कलाकार की अपनी सोच, परवरिश और अनुभव होते हैं। वह इनके आधार पर फैसले लेना चाहता है। लेकिन आज दर्शक शुरू से ही उसे बताने लगते हैं कि क्या सही है और क्या गलत। ऐसे में अपनी राह चुनना मुश्किल हो जाता है। कई बार कलाकार को अपनी सोच से ज्यादा दर्शकों की पसंद के हिसाब से चलना पड़ता है। पहले लगता था कि लोग आज याद कर रहे हैं, कल भूल जाएंगे। लेकिन अब समझ आया है कि इतने साल तक लोगों के दिलों में जगह बनाए रखना कितनी बड़ी बात है।

सामंथा ने विजय को बताया अपना लकी चार्म

अभिनेता सी जोसेफ विजय आज तमिलनाडु के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने अपने करियर के बीच फिल्मों को अलविदा कह दिया था। उनकी सह-कलाकार सामंथा रुथ प्रभु ने उनकी खूब तारीफ की है। अभिनेत्री आजकल सेलिब्रिटी मास्टरशोफ तमिल को होस्ट कर रही हैं। जब उनसे उनके पसंदीदा साथी कलाकार के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने विजय को अपना लकी चार्म बताया और उनकी कड़ी मेहनत की तारीफ की। शो के अपकमिंग एपिसोड में जब हीरो बनाम विलेन चैलेंज के दौरान आरजे विजय ने सामंथा से पूछा कि उनका पसंदीदा स्टार कौन है, तो उन्होंने कहा कि विजय के प्रति उनकी पसंद के बारे में तो सभी जानते हैं। उन्होंने कहा, वह मेरे लकी चार्म हैं। मैंने उनके साथ तीन सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। उन्होंने कल्थी (2014), थेरी (2016) और मर्सल (2017) का जिक्र किया। ये तीनों फिल्में कमर्शियल रूप से बेहद सफल रहीं। दुनिया भर में इन फिल्मों ने 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। मर्सल ने 250 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया था। सामंथा ने विजय के राजनीतिक सफर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि एक इंसान के तौर पर विजय सबके लिए प्रेरणा हैं।

सामंथा ने कहा, %करोड़ों फैंस होने के बावजूद उन्होंने एक नेता बनने और शासन की जिम्मेदारी संभालने का रास्ता चुना। वह शांत रहते हैं, अपने लक्ष्य पर फोकस रखते हैं और परदे के पीछे रहकर बहुत कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने आगे कहा, अपने करियर के पीक पर सिनेमा को छोड़कर राजनीति में आना कोई आसान फैसला नहीं है। हालांकि, सामंथा ने कहा कि विजय ने बिल्कुल सही समय पर

अभिनेत्री ने कहा- सही वक्त पर राजनीति में कदम रखा

विजय ने 1984 में फिल्म वेन्नी से एक बाल कलाकार के रूप में ऑन-स्क्रीन डेब्यू किया था। 1992 में उन्होंने फिल्म नालैया थीरपु से लीड एक्टर के तौर पर शुरुआत की। 1996 में आई कोयंबटूर मपिल्लई उनकी पहली कमर्शियल ब्लॉकबस्टर फिल्म थी। जब विजय ने फिल्मों से संन्यास लिया, तब वे अपने करियर के शिखर पर थे। उनकी फिल्म लियो कॉलीवुड (तमिल सिनेमा) की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही। 2024 में विजय ने आधिकारिक तौर पर राजनीति में आने की घोषणा की और अपनी पार्टी तमिलगा वेन्नी कझगम लॉन्च की। तमिलनाडु के इतिहास में पहली बार, उनकी पार्टी सत्ता में आने वाली पहली गैर-द्रविड़ पार्टी बनी। इस साल मई में उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। उनकी आखिरी फिल्म जन नायकन थी। सामंथा, जिन्हें आखिरी बार मां इंटी बंगारम में देखा गया था, राज निदिमोरु के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं।



दलेर मेहंदी संग हुई बदसलूकी पर भड़कीं इला अरुण



जाने-माने पंजाबी गायक दलेर मेहंदी इन दिनों चर्चा में बने हुए हैं। दरअसल, बीते दिनों उन्हें उत्तराखंड में कुंजापुरी मेले में परफॉर्मंस के लिए बुलाया गया था। जब सिंगर मंच पर पहुंचे, तो उनका अंदाज कुछ ऐसा दिखा कि राज्य कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने उन पर नाराजगी जाहिर कर दी। मंच पर मंत्री ने दलेर मेहंदी पर शराब पीने का आरोप लगाते हुए गुस्सा जाहिर किया। जैसे ही इवेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तो इसे लेकर

विवाद शुरू हो गया। इस पर अभिनेत्री इला अरुण ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अरुण ने कहा, हमारी फिल्म इंडस्ट्री, दर्शक और संगीत जगत के लोग बहुत दुखी और नाराज हैं। दलेर साहब हमारे सिर्फ अच्छे दोस्त ही नहीं, बल्कि भाई जैसे हैं। वह एक महान कलाकार हैं। सूफी और पंजाबी संगीत को लोकप्रिय बनाने में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है। हमें नहीं पता कि वहां वास्तव में क्या हुआ था, लेकिन उन पर जिस तरह के आरोप लगाए गए और उनके साथ जैसा व्यवहार किया गया, वह सही नहीं था। इला अरुण ने आगे कहा, अगर आयोजकों या प्रायोजकों को कोई चिंता थी, तो वे उनके सचिव को

बुलाकर अलग से बात कर सकते थे। वे कह सकते थे कि शायद दलेर इस समय परफॉर्म करने की हालत में नहीं हैं। हमारे नेताओं की जिम्मेदारी है कि ऐसी परिस्थितियों को सही तरीके से संभालें और सभी का ध्यान रखें। अभिनेत्री ने कहा, मंच पर उनके साथ जो हुआ, वह अपमानजनक और बेहद निंदनीय था। इस तरह के व्यवहार को किसी भी तरह सही नहीं ठहराया जा सकता। नेताओं को जो भी परेशानी या शिकायत थी, उस पर पर्दे के पीछे बात की जा सकती थी। दलेर भाई के लाखों प्रशंसक

बोलीं- हमारे नेताओं की जिम्मेदारी है कि ऐसी परिस्थितियों को सही तरीके से संभालें

हैं। अगर इस घटना के दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ जाता, तो क्या होता? वह इतने बड़े कलाकार हैं। इला ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, हम मानते हैं कि अगर उनकी तबीयत ठीक नहीं थी, तो उन्हें मंच पर नहीं जाना चाहिए था। लेकिन जिस तरह से इस पूरे मामले को संभाला गया, वह सही नहीं था। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने मुझे सिखाया कि सम्मान सबसे जरूरी चीज है और किसी कलाकार की सबसे बड़ी दौलत उसके दर्शकों और श्रोताओं का प्यार होता है। अगर कभी ऐसी स्थिति आए, तो कलाकार को अपने सम्मान से समझौता नहीं करना चाहिए और परफॉर्म करने से मना कर देना चाहिए। लेकिन उनके साथ जिस तरह का व्यवहार हुआ, उससे हम बेहद नाराज हैं।

केरल में राज्यपाल के आदेश पर गहराया सियासी विवाद

» लोकभवन में मांसाहारी भोजन पर रोक, विपक्ष ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरु अंतपुरम। केरल के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के पदभार संभालते ही लोक भवन में मांसाहारी भोजन पर कथित प्रतिबंध को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और वामपंथी दलों ने इसे लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि यह कदम संघ परिवार के भगवा एजेंडे को केरल पर थोपने का प्रयास है। केरल के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर को अपने कार्यकाल के पहले ही दिन कांग्रेस और सीपीआईएम की आलोचना का सामना करना पड़ा। यह आलोचना उन खबरों के बाद हुई, जिनमें कहा गया था कि उन्होंने राजभवन की रसोई को

आदेश संघ परिवार के असंवैधानिक हितों से प्रेरित : वेणुगोपाल

कांग्रेस के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने इस कदम को लेकर माथुर पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह आदेश संघ परिवार के असंवैधानिक हितों से प्रेरित है। उन्होंने तर्क दिया कि राज्यपाल के आधिकारिक आवास पर इस तरह की पाबंदी लगाना अपनी

सीमा से बाहर जाने जैसा है। उन्होंने केरल की खान-पान की विविध परंपराओं का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य की तटीय भौगोलिक स्थिति के कारण यहां मछली पकड़ने का उद्योग काफी फला-फूला है। उन्होंने कहा कि यहीं के लोगों को अपनी परंपरा के

अनुसार शाकाहारी या मांसाहारी भोजन चुनने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि केरल के लोगों की खान-पान आदतों को सीमित करने या उन्हें यह बताने की कोई भी कोशिश कि अब से उन्हें क्या खाना चाहिए, स्वीकार नहीं की जा सकती।

केवल शाकाहारी भोजन परोसने का निर्देश दिया है। मीडिया के एक हिस्से ने खबर दी कि माथुर ने निर्देश दिया था कि लोक भवन की रसोई में मांसाहारी व्यंजन न तो बनाए जाएं और न ही परोसे जाएं। शुक्रवार को यहां लोक भवन में आयोजित एक समारोह में माथुर ने केरल के 29वें राज्यपाल के रूप में पदभार ग्रहण किया।

केरलवासियों की पारंपरिक जीवनशैली को खत्म करने की कोशिश : अलाप्पुझा

अलाप्पुझा लोकसभा सांसद ने आरोप लगाया कि ऐसी पाबंदियां, जो लोगों की खान-पान की परंपराओं को खत्म करने की कोशिश करती हैं, वे संविधान द्वारा दिए गए मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक पद पर बैठा एक व्यक्ति, जिसका यह कर्तव्य है कि वह लोगों के क्या खाना है और कैसे जीना है तय करने के अधिकार की रक्षा करे, वही व्यक्ति दूसरों पर अपनी खान-पान की आदतें थोपने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह संघ परिवार के असंवैधानिक मंसूबों का ही एक हिस्सा है। यह केरल में संघ परिवार के भगवा एजेंडे को लागू करने की दिशा में पहला कदम है।

उन्होंने राजेंद्र विश्वनाथ अलेंकर का स्थान लिया है, जिन्हें तमिलनाडु का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

टीवीके और डीएमके सहित कई दलों ने किया वॉकआउट

» तमिलनाडु में एसएसआर पर चर्चा के लिए निर्वाचन आयोग की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। मिलनाडु में सत्तारूढ़ तमिलना वेत्री कषमग (टीवीके) और मुख्य विपक्षी दल द्रविड़ मुनेत्र कषमग (द्रमुक) समेत कई राजनीतिक दलों ने मतदाता सूची के एसएसआर पर चर्चा के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित सर्वदलीय बैठक से बहिर्गमन किया। इन दलों ने निर्वाचन आयोग पर "पारदर्शिता और लोकतांत्रिक निष्पक्षता से समझौता करने" का आरोप लगाते हुए मतदाता सूची के पिछले एसआईआर में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की।

तमिलनाडु के ऊर्जा संसाधन और कानून मंत्री आर. निर्मल कुमार ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए कहा कि पिछले पुनरीक्षण की विसंगतियों को दूर किए जाने तक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण प्रक्रिया शुरू नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, पिछले पुनरीक्षण की आड़ में बड़ी संख्या में मतदाताओं, खासकर युवाओं और महिलाओं के नाम मनमाने ढंग से मतदाता सूची से हटा दिए गए। इन खामियों की नैतिक जिम्मेदारी लेते



हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। पहले इन गंभीर गलतियों को सुधारे बिना एक और संक्षिप्त पुनरीक्षण कराना पूरी तरह अस्वीकार्य है।" हालांकि, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषमग (अन्नाद्रमुक) और भाजपा ने बैठक में हिस्सा लिया। अन्नाद्रमुक ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान करीब 97 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने और स्थानांतरण को लेकर चिंता जताई। बैठक से बहिर्गमन के बाद मीडिया से बातचीत में द्रमुक की विधि शाखा के संयुक्त सचिव आई. परंथामेन ने आरोप लगाया कि मौजूदा निर्वाचन आयोग के तहत मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया की विश्वसनीयता नहीं है। कांग्रेस के एक प्रतिनिधि ने भी निर्वाचन आयोग पर भरोसे की कमी और निर्वाचन आयुक्तों को लेकर गंभीर चिंताओं का हवाला देते हुए बैठक से बहिर्गमन करने के पार्टी के फैसले की पुष्टि की।

जम्मू-कश्मीर में दो-तीन दिन में होगा कैबिनेट विस्तार : उमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि अगले सप्ताह के शुरुआती दो-तीन दिन में उनके मंत्रिमंडल का विस्तार और उसमें फेरबदल किया जाएगा। अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मुख्यमंत्री ने शनिवार सुबह यहां लोक भवन में सिन्हा से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कहा, हां, निश्चित रूप से मंत्रिमंडल में फेरबदल पर चर्चा हुई। मैंने उनसे मंत्रिमंडल विस्तार के लिए समय मांगा और कहा कि अगले सप्ताह के शुरुआती दो-तीन दिन में मैं मंत्रिमंडल का विस्तार करूंगा और उसमें कुछ बदलाव भी करूंगा। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल इसके लिए समय तय करेंगे, जिसके बाद मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा।



अब्दुल्ला ने पार्टी के अपने सहयोगियों और विधायकों से अपील की कि वे मंत्री पद पाने के लिए उनसे या फारूक अब्दुल्ला से संपर्क न करें, क्योंकि मंत्रियों की सूची पहले ही तय की जा चुकी है। उन्होंने कहा, "डॉ. फारूक साहब से सलाह-मशविरा करने के बाद सूची को अंतिम रूप दे दिया गया है। अब फारूक साहब के दरवाजे, मेरे दरवाजे या किसी और के दरवाजे पर दस्तक देने की जरूरत नहीं है। कौन मंत्री बनेगा, इसका फैसला पहले ही हो चुका है इसलिए मैं अपने सहयोगियों से अनुरोध करता हूं कि वे धैर्य रखें।" अब्दुल्ला ने कहा कि जो कुछ भी होना है, वह ईश्वर पहले तय करता है। उन्होंने अपने सहयोगियों से संदेश भेजने, फोन करने या पार्टी नेताओं से संपर्क करने से परहेज करने की अपील की।

राइट टू डेमोक्रेटिक डिसेंट छीना जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आइसा की अध्यक्ष नेहा बोरा ने शनिवार (24 अक्टूबर) को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आप सब लोग देख रहे हैं कि पिछले कुछ दिनों से क्या चल रहा है, क्या हो रहा है, उन्होंने आगे कहा कि आपने वो मूवमेंट भी देखा, जो इस वक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगते हुए एसआईआर पर रोक लगाते हुए पूरे देश भर में हुआ। नेहा बोरा ने कहा कि हमसे राइट टू डेमोक्रेटिक डिसेंट को छीना जा रहा है, इस उम्मीद के साथ हम इस पीस बॉन्ड को नहीं साइन करेंगे। इसे हम यूं ही चैलेंज करते रहेंगे क्योंकि इस पीस बॉन्ड को साइन करने से ये संदेश जाएगा कि इस देश में किसी भी डेमोक्रेटिक और शांतिपूर्ण प्रदर्शन को रोकने के लिए इस तरह के पीस बॉन्ड का इस्तेमाल किया जा सकता है।

नेहा बोरा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम लोगों को रोकने के लिए जो स्टेप्स सरकार द्वारा उठाए गए। वो भी आप सभी



ने देखे तो हम उन्हीं कुछ चीजों पर बात करेंगे। उन्होंने बताया कि हाई कोर्ट हम लोग इसलिए गए क्योंकि जो नोटिस हमने रिसीव किया, हमें उसको चैलेंज करना जरूरी लगा। नेहा बोरा ने कहा कि लोकतंत्र कोई ऐसी चीज तो नहीं है जो समझ नहीं आती है। एक हिंदुस्तान जैसे बड़े देश के लिए आम जनता लोकतंत्र से कुछ समझती है और उसमें जो दो ब्रॉड कैटेगरीज है। उन्होंने कहा कि जो हम लोग लोकतंत्र से समझते हैं उसमें से

» आइसा अध्यक्ष ने 10,000 रुपये के पीस बॉन्ड भरने की बात पर दी प्रतिक्रिया

एक है हमारा राइट टू वोट और दूसरा है हमारे हक और अधिकार पर अगर कोई हमला होता है तो उसके खिलाफ अपनी बात रख पाने का अधिकार, सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आज राइट टू वोट को हम देख रहे हैं कि स्ट्रुक्चर के माध्यम से आम लोगों से छीना जा रहा है। नेहा बोरा ने आगे कहा कि 13 करोड़ लोग इलेक्टोरल रोल से हटाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस देश को जो चीज लोकतंत्र बनाती है वो है चुनाव और उसे ही लोकतांत्रिक रूप से नहीं होने दिया जा रहा है। हालांकि, कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी। आदेश सुनाते हुए जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा, मैं इस स्तर पर इस रिट याचिका को खारिज कर रहा हूं।

पहले वनडे में भारत ने जिम्बाब्वे को नौ विकेट से हराया

» श्री चरणी-क्रांति गौड़ के बाद प्रतिका रावल का शतक, 1-0 की बनाई बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वडोदरा। भारतीय महिला टीम ने टी20 सीरीज के बाद वनडे में भी अपना दबदबा कायम रखा है। शुक्रवार को खेले गए पहले वनडे मुकाबले में भारत ने जिम्बाब्वे को नौ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। वडोदरा के कोतांबी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने पहले जिम्बाब्वे को 197 रन पर समेटा और फिर प्रतिका रावल की नाबाद शतकीय पारी के दम पर टीम को शानदार जीत दिलाई।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम 49.5 ओवर में 197 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत की ओर से

श्री चरणी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 23 रन देकर चार विकेट झटकें। वहीं, क्रांति गौड़ ने 42 रन देकर तीन विकेट हासिल किए, जबकि दीप्ति शर्मा को दो सफलताएं मिलीं। भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट चटकाकर जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी पर दबाव बनाए रखा। 198 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय

महिला टीम ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। प्रतिका रावल ने शानदार शतक जड़ते हुए नाबाद पारी खेली और टीम को जीत तक पहुंचाया। इस दौरान पहले विकेट के लिए उन्होंने कप्तान स्मृति मंधाना के साथ 94 रनों की साझेदारी निभाई। मंधाना 32 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटें। इसके बाद शेफाली भी शानदार फॉर्म में नजर आई और 64 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत ने 27.1 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 200 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।



एमपी में अपनी ही सरकार पर भाजपा विधायक बिफरे

» अजय विश्‍नोई का तंज, बोले- योजना बनी, लेकिन हमें ही जानकारी नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को लेकर भाजपा सरकार की तैयारियों के बीच पार्टी के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री अजय विश्‍नोई ने इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को लेकर सवाल उठाए हैं।

पाटन से विधायक विश्‍नोई ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि जबलपुर में उद्योग लाने की उम्मीद लंबे समय से है, लेकिन इतने बड़े प्रोजेक्ट की जानकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी नहीं दी गई। विश्‍नोई ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि जबलपुर को जोड़कर बनाए जा रहे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में उनकी विधानसभा के मझौली विकासखंड को भी शामिल किया गया है।

भारत ए की न्यूजीलैंड ए के खिलाफ बल्लेबाजी रही फ्लॉप

लिकन। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच पहले अनौपचारिक टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। पहली पारी में भारतीय बल्लेबाज फ्लॉप रहे जिससे भारत पहली पारी 113 रन पर ऑलआउट हो गई। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। केएल राहुल तो खाता खोले बिना ही पवेलियन लौट गए, जबकि यशस्वी ने 17 रन बनाए। भारतीय बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि सिर्फ चार बल्लेबाज ही दहाई अंक तक पहुंच सके। न्यूजीलैंड के लिए साइमन वीन और जैक गिब्सन ने कहर बरपाया और भारतीय पारी को लइखखड़ा दिया। भारत ए की ओर से पहली पारी में पंडितल ने 77 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 32 रन बनाए, जबकि यश 49 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छकों की मदद से 44 रन बनाकर नाबाद लौटे। इन दो बल्लेबाजों के अलावा अंशुल कंबोज ने 10, आकिब नबी ने 5 और मूकेश ने एक रन बनाए। साई सुरेशन, केएल राहुल, वसिंशान सुंदर, आकाश दीप और मुकेश चौधरी तो खाता तक नहीं खोल सके।

राजीव गांधी की सौम्यता ने छू लिया था दिल : सोनिया गांधी

» कांग्रेस सांसद ने याद की पूर्व पीएम से पहली मुलाकात की यादें
» 'एक्स' पर किया अपनी आगामी आत्मकथा से जुड़ा वीडियो साझा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने अपने दिवंगत पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी से पहली मुलाकात और उनके प्रेम संबंध की शुरुआत के दिनों को याद करते हुए शनिवार को कहा कि राजीव बेहद सौम्य और आकर्षक थे तथा उनकी सौम्यता ने उन्हें पहली मुलाकात में ही प्रभावित कर दिया था। सोनिया गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी आगामी आत्मकथा से जुड़ा एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने कैम्ब्रिज में राजीव गांधी से पहली मुलाकात और उनके प्रेम संबंध की

शुरुआत के दिनों को याद किया। इंस्टाग्राम के बाद सोनिया गांधी अब 'एक्स' पर भी आ गई हैं और यह इस मंच पर उनकी पहली पोस्ट है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "कैम्ब्रिज के एक छोटे से यूनानी रेस्तरां में मेरी प्रेम यात्रा शुरू हुई।" सोनिया गांधी ने कहा, "राजीव और मैंने प्रेम, खुशी और यादों से भरी अपनी एक दुनिया बनाई। मैं 10 नवंबर को उस दुनिया को आप सबके साथ साझा करूंगी।" उनकी



आत्मकथा "बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव" 10 नवंबर को प्रकाशित होगी। वीडियो में सोनिया गांधी ने इंग्लैंड में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि उस समय वहां का खाना उन्हें पसंद नहीं था और आज की तरह इतने अधिक रेस्तरां भी नहीं हुआ करते थे। उन्होंने कहा कि वह लगातार ऐसे रेस्तरां की तलाश में रहती थीं, जहां उन्हें अपनी पसंद का, खासकर इतालवी खाना मिल सके। उन्होंने अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए यह भी कहा कि उनके और राजीव गांधी के एक साझा मित्र ने दोनों का

यूनानी रेस्तरां में हुई थी मुलाकात

सोनिया गांधी ने कहा कि इसी तलाश के दौरान उन्हें कैम्ब्रिज में एक यूनानी रेस्तरां मिला, जहां कई छात्र भोजन करने आया करते थे। उन्होंने कहा कि वह यूरोपीय छात्रों के अलावा बड़ी संख्या में भारतीय छात्र भी आते थे और इसी रेस्तरां में उनकी पहली मुलाकात राजीव गांधी से हुई थी। सोनिया गांधी ने कहा, "जब मैं उनसे पहली बार मिली तो मुझे उसी समय महसूस हुआ कि वह ऐसे व्यक्ति हैं, जिनके साथ मैं जिंदगी गुजारना चाहूंगी। बाद में मुझे पता चला कि उनकी भी मेरे प्रति यही भावना थी।"

परिचय कराया था। सोनिया गांधी ने कहा कि इसके बाद दोनों के बीच दोस्ती हुई और वे दोस्तों के साथ पार्टियों में जाने तथा विभिन्न जगहों पर घूमने लगे। उन्होंने उस समय की एक 'वेलेंटाइन पार्टी' का भी जिक्र किया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए थे। सोनिया ने राजीव गांधी के व्यक्तित्व के बारे में कहा, "वह बेहद सौम्य दिखने वाले व्यक्ति थे।"



यूपी-पंजाब समेत 5 राज्यों में कांग्रेस वॉर रूम चेयरमैन बनाए गए

» उप्र में सचिन यादव को मिली जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी के लिए देश के 5 राज्यों में चुनावी वॉर रूम के अध्यक्ष नियुक्त किए हैं। पार्टी अध्यक्ष खरगे ने इन नियुक्तियों को मंजूरी दी है। पार्टी की तरफ से जारी लिस्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में अलग-अलग नेताओं को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांग्रेस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में सचिन यादव को चुनावी वॉर रूम का अध्यक्ष बनाया गया है। पंजाब में पूर्व आईएस अधिकारी कन्नन गोपीनाथन को यह जिम्मेदारी दी गई है। गोवा में इमरोज खान, मणिपुर में बिस्वरंजन मोहंती और उत्तराखंड में कृष्ण सतरौड़ को वॉर रूम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ये नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। चुनावी वॉर रूम का काम चुनाव से जुड़ी तैयारियों को मैनेज करना होता है। इसके जरिए पार्टी प्रचार की प्लानिंग तैयार करती है, अलग-अलग नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल बनाने का काम करती है। इसके अलावा चुनाव से जुड़ी जानकारी पर हर तरह से नजर रखती है। इन नियुक्तियों की मदद से कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड राज्यों में अपनी चुनावी तैयारियों और संगठन के काम को बेहतर तरीके से चलाना चाहती है। कांग्रेस पार्टी आगामी चुनाव के लिए पूरी तरह से कमर कस रही है। वे एक भी ऐसा मौका नहीं चूकना चाहती है, जिसे उन्हें किसी भी तरह का नुकसान हो।

दुखद शनिवार: राजस्थान से लेकर बिहार तक हादसे

» चूरू में ट्रक की भिड़ंत में छह की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चूरू। देश के कई राज्यों में हादसों से कई लोगों की जान चली गई। राजस्थान के चूरू जिले के सादुलपुर क्षेत्र में शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्यों समेत छह लोगों की मौत हो गई। हादसा दरदेवा गांव के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार लोगों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। जानकारी के अनुसार, हनुमानगढ़ जिले के तारानगर क्षेत्र के सोमनसीसर गांव का एक परिवार गोगामेड़ी मंदिर में दर्शन करने जा रहा था।



सिवान : मकान में रखे पटाखों में धमाके से पांच काल के गाल में समाए

बिहार के सिवान जिले में एक मकान में रखे पटाखों में विस्फोट लेने के कारण मरने वालों की संख्या दो और लोगों की मौत के बाद बढ़कर पांच हो गई है, मरने वालों में दो नाबालिग हैं। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। सिवान के पुलिस अधीक्षक (एसपी) भारत सोनी ने कहा, घटना में पांच लोगों की मौत हुई है। फिलहाल कोई भी घायल व्यक्ति अस्पताल में भर्ती नहीं है। गाामीणों के अनुसार, कुछ लोगों को मामूली चोट आई थी, लेकिन उन्होंने पुलिस या संबंधित एजेंसियों को इसकी जानकारी नहीं दी है। हम घटना में घायल हुए किसी भी व्यक्ति का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। मृतकों की पहचान अमरुदीन अहमद (70), मुकूल सिंघीकी (20), खुशबू सिंघीकी (10), अरुण सिंघीकी (8) और राज कुमार उर्फ मोला (35) के रूप में हुई है।

आंध्र प्रदेश में डंपर में डीजल भरते समय लगी आग, पांच मजदूरों की गई जान

आंध्र प्रदेश के अक्षरी सीताराम राजू जिले में सड़क निर्माण स्थल पर आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। यह घटना संभवतः एक डंपर ट्रक में ईंधन भरते समय हुई। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को दी। पुलिस अधीक्षक अमित बरदार ने बताया कि यह घटना अर्जुनगिरि मंडल के पिनाकोटा गांव में हुई। चूंकि यह जगह मुख्य इलाके से लगभग 100 किलोमीटर दूर है, इसलिए यहां काम करने वाले मजदूर अक्सर वाहनों में ईंधन भरने के लिए इलाकों में डीजल लाते हैं। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि ट्रक की टंकी में ईंधन भरते समय मजदूरों ने पूरी सावधानी न बरती हो, और किसी पिगारी की वजह से आग लग गई हो। बरदार ने बताया, यह कोई विस्फोट नहीं था। मैं इसे एक दुर्घटनात्मक आग कहूंगा। अभी तक हमने पांच लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने आगे बताया कि पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंच गई है, जबकि घटना की जांच के लिए एक और टीम के जल्द ही वहां पहुंचने की उम्मीद है।

महारैली स्थगित करें नेता प्रतिपक्ष

» कारोबारियों का राहुल को पत्र, कहा- त्योहार का सीजन है, व्यापार प्रभावित होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में त्योहारों के दौरान कारोबार प्रभावित होने की आशंका जताते हुए चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली को 10 नवंबर के बाद आयोजित करने की अपील की है। सीटीआई की ओर से लिखे पत्र में कहा गया है कि दिल्ली के व्यापारी इन दिनों दिवाली की खरीदारी और बिक्री के व्यस्त सीजन में हैं। ऐसे में रैली के कारण यातायात प्रभावित होने से व्यापारियों और ग्राहकों को परेशानी हो सकती है।



सीटीआई के अनुसार, धनतेरस, दिवाली और भाई दूज के आसपास दिल्ली के बाजारों में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। सोना-चांदी, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े, ड्राई फ्रूट्स, मिठाइयों और अन्य सामान की बिक्री बढ़ जाती है।

अक्टूबर में हुए नुकसान की भी बात कही

पत्र में अक्टूबर में पहले ही 3 हजार करोड़ के हुए नुकसान की बात की गई। पत्र में लिखा, कर्नाट प्लेस, इंडिया गेट और सेंट्रल दिल्ली में लगातार रैलियों, मार्च और रास्ते बंद होने के कारण सीटीआई के आकलन के अनुसार दिल्ली के व्यापारियों को पहले ही लगभग 3 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। थोक बाजारों में बाहर से माल आना बंद हो गया था और रिटेल में ग्राहक नहीं पहुंच पा रहे थे।

त्योहारों से पहले बाजारों में ग्राहकों की भीड़ के साथ माल की आवाजाही भी तेज हो जाती है। संगठन का कहना है कि रैलियों, मार्च और रास्ते बंद होने से पहले भी दिल्ली के कई इलाकों में व्यापार प्रभावित हुआ है। ऐसे में त्योहारों के दौरान यातायात बाधित होने से थोक और खुदरा कारोबारियों को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

दिल्ली के सरकारी स्कूल में 12वीं की छात्रा ने आग लगाकर की खुदकुशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कृष्णा नगर स्थित राजकीय सर्वोदय स्कूल में शनिवार को 12वीं कक्षा की छात्रा ने आग लगाकर खुदकुशी कर ली। स्कूल के सुरक्षा गार्ड के कमरे के बाहर वारदात को अंजाम दिया। आशंका है कि छात्रा ज्वलनशील पदार्थ बैग में रखकर स्कूल गई थी। परिवारिक विवाद व स्कूल में किसी तरह के किसी विवाद के चलते यह कदम उठाया इसकी जांच पुलिस कर रही है।

25 अक्टूबर को छात्रा की जन्मतिथि थी। जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मोणा ने बताया कि स्कूल में गार्ड के कमरे के पीछे 18 वर्षीय छात्रा जली हुई हालत में मिली। डॉक्टर हेडगेवार अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल और छात्रा के स्कूल बैग से कुछ सामग्री बरामद हुई है।

1 नवंबर की रैली को लेकर भाजपा का कांग्रेस पर हमला

» सहयोगी दल भी इस फैसले से असंतुष्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को कांग्रेस की प्रस्तावित रैली को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने सवाल उठाया कि राहुल गांधी इसी तारीख पर रैली करने की जिद क्यों कर रहे हैं, जबकि 1 नवंबर का दिन 1984 के सिख नरसंहार की यादों से जुड़ा है। प्रसाद ने दावा किया कि विपक्षी गठबंधन के कई सहयोगी दल भी इस फैसले से संतुष्ट नहीं थे।

रविशंकर प्रसाद ने आरोप लगाया कि इस दिन रामलीला मैदान में बड़ी रैली आयोजित करने का फैसला सिख समुदाय की भावनाओं को आहत कर सकता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि विपक्षी



गठबंधन के कई सहयोगी दल भी रैली की तारीख से सहमत नहीं थे और इसे आगे बढ़ाने का सुझाव दे चुके थे। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि उनकी पार्टी इस मुद्दे को गंभीरता से उठा रही है। उन्होंने सवाल किया कि राहुल गांधी 1 नवंबर को ही दिल्ली में रैली करने पर क्यों अड़े हैं। भाजपा नेता के मुताबिक, 1 नवंबर का दिन सिख समुदाय के लिए भावनात्मक रूप से बेहद संवेदनशील है, क्योंकि इस दिन 1984 के सिख नरसंहार को गहरे दुख के साथ याद किया जाता है।